पत्र सूचना कार्यालय, भारत सरकार
24-December 2016 Press Information Bureau, Government of India
A- A+

Prime Minister's Office 16-October, 2015 14:23 IST

Text of PM's address at the inauguration ceremony of 10th Annual Convention of Central Information Commission

उपस्थित सभी महानुभव,

आज हम सूचना के अधिकार के संबंध में आज 10 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। इस व्यवस्था में विश्वास पैदा करने के लिए इस व्यवस्था को आगे बढ़ाने में जिन-जिन लोगों ने योगदान दिया है, उन सबको मैं धन्यवाद करता हूं और बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

यह बात सही है कि सूचना के अधिकार से सबसे पहली बात सामान्य से सामान्य व्यक्ति को जानने का अधिकार हो, लेकिन वहां सीमित न हो। उसे सत्ता को question करने का भी अधिकार हो। और यही लोकतंत्र की बुनियाद है। और हम उस दिशा में जितनी तेज गति से काम करेंगे, उतना लोकतंत्र के प्रति लोगों का विश्वास और बढ़ेगा। लोगों की जागरूकता, एक प्रकार से शासन को भी ताकत देती है और न सिर्फ शासन को राष्ट्र की भी एक बहुत बड़ी अमानत बनती, है जागरूक समाज का होना। ऐसी कुछ व्यवस्था होती है, जो इन व्यवस्थाओं को पनपाती है, पुरस्कृत करती है, प्रोत्साहित करती है और परिणाम तक पहुंचाती है।

जो जानकारी मिलती है उस हिसाब से कहते हैं कि 1766 में सबसे पहले स्वीडन में इसका प्रारंभ हुआ। लिखित रूप में प्रारंभ हुआ। informally तो शायद कई व्यवस्थाओं में यह चलता होगा। लेकिन यही व्यवस्था अमेरिका में आते-आते 1966 हो गया। दो सौ साल लगे। कुछ देशों ने कानून पारित किए। लेकिन पारित करने के लागू करने के बीच दो साल का फासला रखा, ताकि लोगों को educate कर पाएं। शासन व्यवस्था को aware कर सके। और एक mature way में व्यवस्था विकसित हो। हमारे देश का अनुभव अलग है। हम लोगों ने निर्णय किया और काम करते-करते उसको सुधारते गए, ठीक करते गए और empower करते गए। और यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहेगी तभी जा करके institution और अधिक strengthen होती है और आने वाले दिनों में इसके लिए निरंतर प्रयास होता है।

एक बात निश्चित है कि जो Digital India का सपना है वो एक प्रकार

English Releases

Month October Year 2015

- PM pays tribute to Sardar Patel, flags off "Run for Unity" on Rashtriya Ekta Diwas (31-October 2015)
- PM pays tributes to former Prime Minister of India, Mrs. Indira Gandhi, on her death anniversary (31-October 2015)
- PM salutes Sardar Vallabhbhai Patel, on his birth anniversary (31-October 2015)
- English rendering of the text of PM's address ahead of Run for Unity event on Rashtriya Ekta Diwas at Rajpath (31-October 2015)
- Text of PM's address ahead of Run for Unity event on Rashtriya Ekta Diwas at Rajpath (31-October 2015)
- Nation to celebrate Sardar Patel Jayanti as Rashtriya Ekta Diwas tomorrow; PM to flag off Run for Unity at Rajpath (30-October 2015)
- India-Africa Framework for Strategic Cooperation (29-October 2015)
- Delhi Declaration 2015-Partners in Progress Towards a Dynamic and Transformative Development Agenda (29-October 2015)
- Text of PM's concluding remarks at 3rd India-Africa Forum Summit (29-October 2015)

- Text of PM's opening statement at the Inaugural Ceremony of the third India-Africa Forum Summit (29-October 2015)
- PM's bilateral meetings with African leaders on the sidelines of India Africa Forum Summit (28-October 2015)
- Report of the Sub-Group of Chief Ministers on Rationalization of Centrally Sponsored Schemes submitted to PM (27-October 2015)
- PM speaks to Prime Minister of Pakistan; expresses condolences on the loss of lives due to the quake; offers all possible assistance from India (26-October 2015)
- Geeta meets PM on return from Pakistan (26-October 2015)
- PM speaks to President of Afghanistan; condoles at the damage caused by the earthquake (26-October 2015)
- PM prays for everyone's safety in the strong earthquake in Afghanistan-Pakistan region; asks for an urgent assessment of the damage caused due to the earthquake (26-October 2015)
- PM speaks to Jammu and Kashmir CM, taking stock of the situation arising due to the earthquake (26-October 2015)
- Text of Prime Minister's 'Mann ki Baat' on All India Radio (25-October 2015)
- English rendering of PM's 'Mann Ki Baat' on All India Radio (25-October 2015)
- Delegation of Artistes from Sangeet Natak Akademi calls on PM (24-October 2015)
- PM conveys his greetings to the people on United Nations Day

स आरटाआइ का जा भावना ह उसक साथ पूरक ह। क्याक जब चाज online होने लगती है, तो अपने आप transparency आती है। और शासन और जनता के बीच trust होना चाहिए और trust through transparency होता है। अगर transparency है तो trust आता ही है। और इसलिए Digital India का जो सपना है, वो चीजों को जितना online करते जाएंगे, जितना open करते जाएंगे, सवालिया निशान कम होते जाएंगे। अब अभी पिछले दिनों coal का auction हुआ।

अब हमें मालूम है कि पहले कोयले को ले करके कितना बड़ा तूफान मच गया। कितने बड़े सवाल खड़े हुए। सुप्रीम कोर्ट तक को उसमें involve होना पड़ा। RTI से जुड़े हुए लोग भी इसमें काफी मेहनत करते रहे। अभी इस सरकार के सामने विषय आया, तो हमने सारी चीजें online की, online की इतना ही नहीं, एक बड़े screen पर, एक public place पर जहां कोई भी आसकता है देख सकता है, सारी process देख रहा था। हर शाम को कहां पहुंच इसका पता करता था। मीडिया के लोग भी आ करके बैठते थे। अब इस व्यवस्था में मैं नहीं मानता हूं कि फिर कभी किसी को RTI की जरूरत पड़ेगी, क्योंकि मैं मानता हूं कि जो RTI से मिलने वाला था वो पहले उसके सामने था। अभी हमने FM Radio का Auction किया, वो भी उसी प्रकार से online किया। spectrum का auction किया वो भी उसी प्रकार से किया। और जब auction चल रहा था, online सब लोग आते थे। हफ्ते, दस दिन तक चलता था। मीडिया के लोग भी बैठते थे। और भी लोग बैठते थे। कोई भी व्यक्ति उसको कर सकता था।

क्यों न हम transparency proactively क्यों न करे। किसी को जानने के लिए प्रयास करना पड़े कि किसी को जानकारी सहज रूप से मिले। शासन लोकतंत्र में उसका प्रयास हो रहना चाहिए कि सहज रूप से उसको जानकारी मिलनी चाहिए। हमारे यहां कुछ चीजें तो ऐसी पुरानी घर कर गई थी। धीरे-धीरे उसको बदलने में समय लगता है। अब जैसे आपको कहीं apply करना है और अपने certificate का Xerox देते हैं तो वो मंजूर नहीं होता है। किसी gestated officer या किसी political leader से जब तक ठप्पा नहीं मरवाते हो उसको मान्यता नहीं मिलती है। अब यह सालों से चल रहा था। हमने आ करके निर्णय किया कि भई नागरिक पर हम भरोसा करे। वो एक बार कहता तो सच मान ले और जब final उसका होगा, तब original certificate ले करके आ जाएगा, देख लेना। और आज वो व्यवस्था लागू हो गई। कहने का तात्पर्य यह है कि हम नागरिक पर भरोसा करके व्यवस्थाओं को चलाए। नागरिकों पर शक करके हम चीजों को चलाएंगे, तो फिर हम भी अपने आप को कहीं न कहीं छुपाने की कोशिश करते रहेंगे। एक openness, governance में जितना openness आएगा, उतना परिणाम सामान्य नागरिक को भी ताकतवर बनाता है।

सरकार का और भी स्वभाव बना हुआ है। साइलो में भी काम करना

(24-October 2015)

- Prime Minister's interaction with African journalists at the Editors Forum for 3rd India-Africa Forum Summit (23-October 2015)
- PM's informal interaction with African Trade Ministers (23-October 2015)
- PM in Andhra Pradesh on Vijaya Dashami (22-October 2015)
- PM's remarks after visiting Tirumala temple at Tirupati (22-October 2015)
- PM greets the people on the auspicious occasion of Vijaya Dashmi (22-October 2015)
- English rendering of the text of PM’s statement at inauguration ceremony of new integrated Terminal of Tirupati Airport Andhra Pradesh on October 22, 2016 (22-October 2015)
- English rendering of the text of PM’s address at the Foundation Ceremony of ‘Amaravathi’- New Capital City of Andhra Pradesh on October 22, 2015 (22-October 2015)
- Text of PM’s address at the Foundation Ceremony of ‘Amaravathi’- New Capital City of Andhra Pradesh (22-October 2015)
- Text of PM’s statement at inauguration ceremony of New Integrated Terminal of Tirupati Airport, Andhra Pradesh (22-October 2015)
- PM's telephonic conversation with Mr. Justin Trudeau, PM-designate of Canada (21-October 2015)
- PM releases book commemorating martyrs of

और इतना ही नहीं एक ही कमरे में चार अफसर बैठे हो, बड़ी कोशिश करता है कि बगल वाला फाइल देखें नहीं। अब यह जो secrecy की मानसिकता किसी जमाने में रही होगी, उस समय के कुछ कारण होंगे, लेकिन आज मैं यह नहीं मानता हूं कि इस प्रकार की अवस्था रहेगी। अगर खुलापन है, खुली बात है, भई यह चार काम करने है, चर्चा करके करने है। तो मैं समझता हूं कि उसके कारण एक सरलता भी आती है और speed भी आती है। एक-आध चीज की कमी रहती है, तो अपना साथी बताता है कि अरे भई तुम देखो यह पहलू जरा देख लो। तो एकदम से काम में.. कोई जरूर नहीं कि वो फाइल पर लिख करके कहता है, ऐसे बातों में कहता है कि देखो भई यह पहलू देखना पड़ेगा। तो अपने आप सुधार हो जाता है। तो सुधार करने के लिए हमारे मूलभूत स्वभाव में भी शासन थे। यह बहुत अपेक्षा रहती है कि उसमें यह बदलाव लाना चाहिए और हम उस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि यह प्रयास परिणामकारी होगा।

आज मैं समझता हूं कि RTI की एक सीमा है। वो सीमा यह है कि जिसको जानकारी चाहिए, जानकारी तो मिलती है। कुछ बातें मीडिया को काम आ जाती है। कुछ बातें किसी को न्याय तक सीमित रह जाती है। process का पता चलता है। लेकिन अभी भी product का पता नहीं चलता। मैं इस रूप में कह रहा हूं कि मान लीजिए एक Bridge का contract दिया गया, तो RTI वाला पूछेगा तो उसको पता चलेगा फाइल कैसे शुरू हुई, tendering कैसे हुआ, noting क्या था, साइट कैसे select हुआ, यह सब चीजें मिलेगी। लेकिन वो Bridge कैसे बना, ठीक बना कि नहीं बना। उसमें कमियां है कि ठीक हुआ, समय पर हुआ कि नहीं हुआ। इन चीजों की तरफ अब ध्यान देने का समय आया है। तो हम process पर जितना ध्यान देते हैं RTI के द्वारा एक समय वो भी चाहिए कि जब product पर भी उतना ही transparency लाए, तब जा करके बदलाव आता है। वरना वो जानकारियां सिर्फ एक संतोष के लिए होती है। आखिरकर RTI का उपयोग Governance में बदलाव लाने के लिए सबसे पहले होना चाहिए।

और इसलिए जब विजय जी मुझे मिले थे, तो मैंने बातों-बातों में उनको कहा था कि जो लोग हमें सवाल पूछते हैं क्या हमने उसका Analysis किया है कि भई रेलवे के संबंध में कितने सवाल आते हैं? Home के संबंध में कितने सवाल आते हैं। फलाने विषय में कितने सवाल आते हैं। Analysis वो department है जहां हजारों की तादाद में सवाल आते हैं। यह department जहां सौ से ज्यादा नहीं आते हैं। फिर हमने उसका analysis करना चाहिए यह जो सवाल आते हैं, उसके मूल में कोई policy paralyses तो नहीं है। हम identify कर सकते हैं। अगर हम इस RTI को सिर्फ जवाब देने तक सीमित रखे तो शासन व्यवस्था को लाभ नहीं होता है। उस नागरिक ने सवाल पूछा है मतलब शासन व्यवस्था में कहीं न कहीं कोई बात है, जो पूछने की जरूरत पड़ी है। अगर व्यवस्था इतनी sensitive होती है। और जो सवाल आए उनका

CRPF, on Police Commemoration Day (21-October 2015)
- PM to visit Andhra Pradesh tomorrow (21-October 2015)
- PM's letter to Mr. Justin Trudeau, Leader of the Liberal Party of Canada (21-October 2015)
- PM greets the people, on Durga Ashtami celebrations (21-October 2015)
- 'Mann Ki Baat' on 25th October: PM urges citizens to share ideas and voice messages (20-October 2015)
- Cycling Award Winners Hitendra and Mahendra Mahajan call on PM (20-October 2015)
- PM congratulates Mr. Justin Trudeau, for the victory in Canadian Parliamentary elections (20-October 2015)
- PM inaugurates IDFC Bank (19-October 2015)
- Call on PM by Mr. Kamal Thapa, Deputy Prime Minister and Foreign Minister of Nepal (19-October 2015)
- Text of PM's address at the launch of IDFC Bank (19-October 2015)
- PMs statement on Gearing up for the 3rd India Africa Forum Summit 2015 (17-October 2015)
- PM's remarks at the 10th Annual Convention of the Central Information Commission (CIC) (16-October 2015)
- Text of PM's address at the inauguration ceremony of 10th Annual Convention of Central

अगर व्यवस्था इतना sensitive होता है। और जो सवाल आए उनको हम analysis करते हैं, तो हमें पता चलेगा कि policy matter के कारण यह समस्या बार-बार उठ रही है, लोग सवाल पूछ रहे हैं। तो Government को High level पर सोचना चाहिए कि policy matter में क्या फर्क लाना चाहिए। एक RTI क्या छोटा सा सवाल भी आपको policy बदलने के लिए मजबूर कर सकता है और कभी-कभार वो इतना सटीक बात पूछता है कि ध्यान में आता है कि यह तरफ हमारा ध्यान नहीं गया। इसलिए Good Governance के लिए RTI कैसे उपयोग में आए, सिर्फ जवाब देने से RTI Good Governance नहीं ला सकता है। वो सिर्फ विवादों के लिए काम आ सकता है। परिस्थिति पलटने के लिए नहीं काम आ सकता है।

दूसरा मैंने सुझाव दिया कि एक तो part यह होता है कि भई policy के कारण, दूसरा होता है person के कारण, कि भई जो व्यक्ति वहां बैठा है उसके nature में ही है। इसलिए ऐसी स्थिति पैदा होती है वो जवाब नहीं देता है, ढीलापन रखता है, ऐसे ही चलता है। तो फिर person पर सोचने का सवाल आएगा भई। एक ही person से संबंधित इतने सारे issue क्यों खड़े होते हैं, तो कहीं न कहीं कोई कमी होगी, उसको ठीक कैसे किया जाए? उस पर सोचना चाहिए। कहीं पर ऐसा होगा कि जिसे पता चलेगा कि भई लोगों ने सवाल पूछे है लेकिन finance के resource crunch के कारण वो नहीं हो पा रहा है। या कोई काम ऐसा होगा कि जिसके कारण लोकल कोई न कोई व्यवस्था होगी, जो रूकावटें डाल रही है। जब हम इन सवालों का perfect analysis करें और उसमें से सरकार की कमियां ढूंढे नागरिकों के सवालों में से ही सरकार की कमियां उजागर हो सकती है, व्यवस्था की कमियां उजागर हो सकती है, process की कमियां उजागर हो सकती है। और उसको ठीक करने के लिए उसमें से हमें एक रास्ता भी मिल सकता है। और इसलिए मैं चाहूंगा कि आप जब इस पर डिबेट करने वाले हैं हम RTI को एक Good Governance की ओर जाने का एक साधन के रूप में कैसे इस्तेमाल करें? और यह हो सकता है।

मैं इन दिनों एक कार्यक्रम करता हूं भारत सरकार में आने के बाद – प्रगति। एक साथ सभी chief secretaries और सभी secretaries भारत सरकार के और मैं 12-15 issue लेता हूं। और उससे ध्यान में आता है। सवाल तो मैं वो लेता हूं किसी नागरिक की चिट्ठी के आधार पर पकड़ता हूं। किसी ने मुझे लिखा कि भई फौजियों को pension में problem है। तो मैंने उस विषय को उठाया। सबको बुलाया, बिठाया, सब वीडियो पर होते हैं मीटिंग नहीं करते हैं। मैं तो एक छोटे कमरे में बैठता हूं। लेकिन उसका कारण बनता है, परिस्थिति आती है तुरंत ध्यान में आता है कि भई इस विषय को हैंडल करना पड़ेगा। किसी ने मुझे लिखा भी था post

Information Commission (16-October 2015)

- English rendering of the text of PM's address at the inauguration ceremony of 10th Annual Convention of Central Information Commission (16-October 2015)
- English rendering of the text of PM's address at the birth anniversary celebrations of Dr. APJ Abdul Kalam at DRDO Bhawan (15-October 2015)
- Text of PM's address at the birth anniversary celebrations of Dr. APJ Abdul Kalam at DRDO Bhawan (15-October 2015)
- Delegation of SANY Group and Chinese Businessmen call on PM (15-October 2015)
- PM to inaugurate Annual Convention-2015 of CIC (15-October 2015)
- PM's remarks at birth anniversary celebrations of Dr. APJ Abdul Kalam (15-October 2015)
- PM salutes former President of India, Dr. APJ Abdul Kalam, on his birth anniversary (15-October 2015)
- Family members of Netaji Subhas Chandra Bose call on PM (14-October 2015)
- Highlights of the Niti Aayog Chief Minister's Sub Group Report on Swachh Bharat (14-October 2015)
- Report of the Sub-Group of Chief Ministers on Swachh Bharat Abhiyaan submitted to PM (14-October 2015)
- PM to meet family members of Netaji Subhash Chandra Bose tomorrow (13-October 2015)

- PM to attend event to mark birth anniversary celebrations of Dr. APJ Abdul Kalam (13-October 2015)
- PM greets the nation on the occasion of Navratri (13-October 2015)
- PM greets the people, on Shubho Mahalaya celebrations (12-October 2015)
- PM's informal interaction with IAS officers participating in mid-career training programme (12-October 2015)
- PM's engagements on 11th October 2015 (11-October 2015)
- PM speaks to Shri KP Oli; congratulates him on being elected as the PM of Nepal (11-October 2015)
- PM pays respects to Dr.Babasaheb Ambedkar at Chaitya Bhoomi; lays Foundation Stone of Dr.Babasaheb Ambedkar Memorial (11-October 2015)
- PM lays foundation stone for Fourth Container Terminal of JNPT (11-October 2015)
- PM calls on senior leaders Shri Atal Bihari Vajpayee and Shri George Fernandes (11-October 2015)
- Text of PM's address at the public meeting to mark Bhoomi Poojan of two Metro rail corridors and Dr. Babasaheb Ambedkar Memorial at Mumbai (11-October 2015)
- PM expresses sadness over the loss of lives due to the bomb explosion in Ankara (10-October 2015)
- On Loknayak Jayaprakash Narayan's birth anniversary:

PM to attend Loktantra Prahari Abhinandan at Vigyan Bhawan, Delhi; PM to visit Mumbai, lay foundation stone of Dr. Babasaheb Ambedkar Memorial (10-October 2015)

- PM conveys his greetings to the people of Fiji, on Fiji Day (10-October 2015)
- PM condoles the passing away of noted music composer, Shri Ravindra Jain (09-October 2015)
- PM salutes the Air Force personnel, on Air Force Day (08-October 2015)
- PM's engagements with German Chancellor Angela Merkel in Bengaluru (06-October 2015)
- Text of PM’s address at the Business Forum organized by NASSCOM and Frauenhofer Institute at Bengaluru (06-October 2015)
- Text of PM’s statement to the Media at the Joint Press Briefing with German Chancellor Dr.Angela Merkel (05-October 2015)
- PM salutes Shyamji Krishna Varma, on his birth anniversary (04-October 2015)
- PM's engagements on 2nd October, 2015 (02-October 2015)
- PM's remarks at the Safaigiri Summit and Awards 2015 (02-October 2015)
- PM in Jharkhand (02-October 2015)
- PM bows to Former Prime Minister of India, Shri Lal Bahadur Shastri, on his birth anniversary (02-October 2015)

- PM bows to Mahatma Gandhi, on his birth anniversary (02-October 2015)
- Text of PM's address at the Safaigiri Summit and Awards 2015 (02-October 2015)
- Text of PM's address at the inauguration of Mega Credit Camp under Pradhan Mantri MUDRA Yojana at Dumka (02-October 2015)
- Text of PM's address at the inauguration of Rooftop Solar Power Plant for Khunti District Court in Jharkhand (02-October 2015)
- English rendering of the text of PM's address at the Safaigiri Summit and Awards 2015 (02-October 2015)
- English rendering of the text of PM's address at the inauguration of Rooftop Solar Power Plant for Khunti District Court in Jharkhand on October 2, 2015 (02-October 2015)
- PM to pay respects to Mahatma Gandhi, visit Jharkhand tomorrow (01-October 2015)
- Billiards player Pankaj Advani calls on PM (01-October 2015)
- PM condoles the demise of singer Asha Bhosle's son (01-October 2015)
- PM greets the people of China, on their National Day (01-October 2015)

This site is winner of Platinum Icon for 'Outstanding Web Content' Web Ratna Award'09 presented in April 2010

Last Updated on 24-December, 2016 at 13:45 Hour
Site is designed and hosted by National Informatics Centre (NIC),Information is provided and updated by Press Information Bureau
"A" - Wing, Shastri Bhawan, Dr. Rajendra Prasad Road, New Delhi - 110 001 Phone 23389338

Top

उपयोग संबंधी शर्तें | स्वोत्वाधिकार नीति | गोपनीयता संबंधी नीति | हाइपरलिंकिंग नीति | Terms of Use | Copyright Policy | Privacy Policy | Hyperlinking Policy